

لطفن به احترام این شعر  
بلند شوید

نسترن بشردوست

شعر معاصر



موسسه‌ی انتشارات بوتیمار

www.ketab.ir

|                      |                                                 |
|----------------------|-------------------------------------------------|
| سرشناسه:             | بشردوست، نسترن                                  |
| عنوان و نام پدیدآور: | لطفن به احترام این شعر بلند شوید/ نسترن بشردوست |
| مشخصات نشر:          | مشهد: بوتیمار، ۱۳۹۴.                            |
| مشخصات ظاهری:        | ۶۴ ص.                                           |
| فروست:               | شعر معاصر.                                      |
| شابک:                | ۹۷۸-۶۰۰-۷۵۵۶-۵۳-۵                               |
| وضعیت فهرست نویسی:   | فبا                                             |
| موضوع:               | شعر فارسی - قرن ۱۴                              |
| موضوع:               | شعر سپید - قرن ۱۴                               |
| رده بندی کنگره:      | ۱۳۹۴ ق/ش/ PIR۸۳۳۵                               |
| رده بندی دیویی:      | ۸۵۱/۶۲                                          |
| شماره کتابشناسی ملی: | ۳۷۲۴۲۴۲                                         |

## لطفن به احترام این شعر بلند شوید

شاعر: نسترن بشردوست

مدیر امور هنری: رضا حیرانی

صفحه آرا: محمد قائمی

نمونه خوان: مهشید پوراساسی

ناشر: بوتیمار

امور چاپ: دقت

نویت چاپ: اول ۱۳۹۴

تیراژ: ۱۰۰۰ نسخه



دفتر انتشارات:

مشهد، صندوق پستی ۹۱۳۷۵-۱۵۵۳

تلفن: ۰۵۱۱-۸۴۵۰۶۴۹

تهران، خیابان کارگر شمالی، نرسیده به بلوار کشاورز

بن بست گیتی، پلاک ۶

تلفن: ۶۶۹۰۰۷۴۸

همراه: ۰۹۱۵۸۵۷۸۳۷۸ - ۰۹۱۶۷۸۳۱۲۶۸

## فهرست

|    |             |
|----|-------------|
| ۸  | فروشگاه     |
| ۹  | خانه‌ی سیاه |
| ۱۱ | سنگ سپید    |
| ۱۳ | اتاق هتل    |
| ۱۵ | فرودگاه     |
| ۱۷ | سطل آشغال   |
| ۱۹ | دیده‌ار     |
| ۲۱ | ففسی        |
| ۲۲ | فراموشی     |
| ۲۳ | گریز        |
| ۲۴ | طرح ۱       |
| ۲۵ | طرح ۲       |
| ۲۶ | شب          |
| ۲۷ | آوارگی      |
| ۲۸ | دلیل        |
| ۲۹ | لجن         |
| ۳۰ | شعر خیس     |
| ۳۱ | جنگ         |
| ۳۳ | ناشناس      |
| ۳۵ | تولد        |
| ۳۶ | دوست ندارم  |
| ۳۷ | دست‌برد     |
| ۳۸ | مترسک       |
| ۳۹ | دیوانگی     |

|    |            |
|----|------------|
| ۴۰ | آزایمر     |
| ۴۱ | سکوت       |
| ۴۲ | ساعت ۸ شب  |
| ۴۴ | ناباوری    |
| ۴۵ | میگرن      |
| ۴۶ | تاریکی     |
| ۴۷ | تصمیم      |
| ۴۸ | دروغ       |
| ۵۰ | حسرت       |
| ۵۱ | چشم‌های تو |
| ۵۲ | جنون       |
| ۵۳ | عبور       |
| ۵۴ | چمدان      |
| ۵۵ | دل‌تنگی    |
| ۵۶ | مقصر       |
| ۵۷ | جدائی      |
| ۵۹ | ناچار      |
| ۶۰ | ادراک      |
| ۶۱ | اندوه      |
| ۶۲ | معجزه      |
| ۶۴ | بازگشت     |